International Journal of Applied Research 2023; 9(5): 74-77

ISSN Print: 2394-7500
ISSN Online: 2394-5869
Impact Factor: 8.4
IJAR 2023; 9(5): 74-77
www.allresearchjournal.com
Received: 09-02-2023
Accepted: 12-03-2023

रितु मुक्ता लकड़ा
शोधकर्ता, मनोविज्ञान विभाग,
राधा गोविंद विश्वविद्यालय,
रामगढ़, झारखंड, भारत

Corresponding Author:
रितु मुक्ता लकड़ा
शोधकर्ता, मनोविज्ञान विभाग,
राधा गोविंद विश्वविद्यालय,
रामगढ़, झारखंड, भारत

किशोरों में शैक्षिक रुचि

रितु मुक्ता लकड़ा

DOI: https://doi.org/10.22271/allresearch.2023.v9.i5b.10791

सारांश
करियर किसी के भी जीवन का एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहलू है। शुरुआत में ही किसी विशेष स्ट्रीम या प्रोफेशन में करियर चुनने का छात्र के भविष्य पर लंबे समय तक प्रभाव पड़ता है। किसी भी छात्र के लिए यह बहुत जरूरी है कि वह अपनी रुचि के अनुसार विभिन्न विषयों में से सावधानीपूर्वक विषय का चयन करे। सही विषय का चुनाव सबसे महत्वपूर्ण निर्णयों में से एक है।विषयों में विस्तृत विकल्प हैंय इसलिए, वे भ्रमित हैं कि उन्हें अपने सही भविष्य के लिए कौन सा विषय चुनना चाहिए। उनके करियर के लिए सही विषय का चयन करना बहुत मुश्किल काम है। इस स्तर पर छात्रों को उचित मार्गदर्शन की सख्त जरूरत है। मार्गदर्शन के स्रोत स्कूल के प्रशासक और कर्मचारी, वरिष्ठ नागरिक, मित्र, माता–पिता, पड़ोसी, प्रिंट और वीडियो मीडिया हैं। माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा सामान्य शिक्षा प्रणाली में महत्वपूर्ण टर्मिनल चरण हैं। इस स्तर पर, युवा निर्णय लेते हैं कि उच्च शिक्षा प्राप्त करना है या तकनीकी प्रशिक्षण का विकल्प चुनना है या कार्यबल में शामिल होना है। किसी विषय में रुचि होना एक मानसिक संसाधन है जो सीखने को बढ़ाता है, जिससे बेहतर प्रदर्शन और उपलब्धि प्राप्त होती है। इसलिए शिक्षा और हमारे जीवन के अन्य क्षेत्रों में रुचि सफलता का एक महत्वपूर्ण घटक है। सर्वोत्तम संभव मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए, किसी व्यक्ति के शैक्षिक लक्ष्यों के बारे में जितना संभव हो उतना जल्दी सीखना महत्वपूर्ण है।

कूटशब्दः उपलब्धि, करियर, रुचि, उच्च शिक्षा और सफलता

प्रस्तावना
शैक्षिक मनोविज्ञान में, शैक्षिक रुचि की अवधारणा को एक सामग्री विशिष्ट प्रेरक चर के रूप में व्याख्या की जाती है जिसकी जांच की जा सकती है और सैद्धांतिक रूप से निर्मित किया जा सकता है (नारंग, 2015)। एक महत्वपूर्ण विश्लेषण शैक्षिक रुचि, सीखने और मानव विकास के बीच कई गुना अंतःसंबंधों में निहित है । राष्ट्रीय विकास के लिए मानव संसाधन क्षमता का दोहन करने में शैक्षिक रुचियों का काफी महत्व है। इतना ही नहीं, व्यक्ति के विकास में भी शैक्षिक रुचि महत्वपूर्ण होती है क्योंकि अपनी रुचि के अनुकूल विषयों के अध्ययन से जीवन में संतुष्टि और खुशी मिलती है।

रुचि की अवधारणा
रुचि होने का अर्थ है एक सार्थक प्रभाव होना।यह उन कारणों का वर्णन करता है कि जीव कुछ स्थितियों का पक्ष क्यों लेता है और परिणामस्वरूप, बहुत ही चुनिंदा तरीके से उन पर प्रतिक्रिया करता है।ऐसा प्रतीत होता है कि किसी भी और सभी हितों की उत्पत्ति को प्राकृतिक आवेगों, आग्रहों के रूप में जाना जाता है। इनमें प्रतिस्पर्धात्मकता, प्रकृति के प्रति प्रेम, आविष्कारशीलता, मिलनसारिता और निःस्वार्थता जैसी चीजें शामिल हैं।स्कूल में सफलता कई कारकों पर निर्भर करती है, लेकिन अध्ययन की जा रही सामग्री में छात्र की रुचि के स्तर से ज्यादा कुछ नहीं। यह एक आकर्षक विषय है, चाहे वह हमसे संबंधित हो, हमारे आसपास के लोगों से, या सामान्य रूप से मानवता से। किसी भी विषय के प्रासंगिक ज्ञान में वृद्धि, यह देखते हुए कि ऐसी जानकारी पर्याप्त रूप से समझी जाती है, उस विषय में रुचि में वृद्धि होती है। रुचि प्रवाहित होती है या किसी भी नीरस वस्तु में किसी भी दिलचस्प वस्तु से फैलती है, कभी भी दो स्पष्ट रूप से अनुभूति में संबंधित होते हैं। रुचि तब बढ़ती है जब कोई विशिष्ट योग्यता या प्रतिभा अर्जित की जाती है। रुचि किसी दिलचस्प चीज से किसी दिलचस्प चीज में बहती या फैलती है। शिक्षा में रुचि महत्वपूर्ण है क्योंकि इसने कैरियर के लक्ष्यों की पसंद को प्रभावित किया। लोगों को उन शैक्षिक धाराओं के बारे में पता होना चाहिए जो करियर के बारे में निर्णय लेते समय आगामी करियर की मांग में हैं।

एक बच्चे की शैक्षिक रुचि महत्वपूर्ण है क्योंकि यह अध्ययन के व्यावसायिक निहितार्थों और उनके द्वारा किए जाने वाले करियर के प्रकारों पर विचार करता है। एक व्यक्ति के शैक्षिक हितों को पसंद और नापसंद सहित वरीयताओं के अपने अनूठे पैटर्न के रूप में परिभाषित किया जा सकता है, जिसे किसी भी तरह से चुना जा सकता है, चाहे बुद्धिमानी से या अनजाने में, व्यक्ति द्वारा या किसी अन्य स्रोत द्वारा किसी निश्चित शैक्षिक क्षेत्र विषय के लिए। यह उन कई पाठ्यक्रमों या अध्ययन के क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करता है जिन्हें छात्रों ने अपने लिए चुना है।जैसे–जैसे हमारे देश की अर्थव्यवस्था तकनीकी और औद्योगिक रूप से अधिक विकसित हुई है, अध्ययन के कई नए रास्ते सामने आए हैं। इसलिए, उन कारकों की जांच करना महत्वपूर्ण है जो किशोरों को अध्ययन के इन विभिन्न क्षेत्रों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करते हैं। शैक्षिक पथों की एक विस्तृत विविधता है जो कोई भी ले सकता है। एक बुद्धिमान व्यक्ति ने एक बार कहा था, ''एक प्रमुख चुनना एक जीवन शैली चुनना है।''अध्ययन के क्षेत्र का चयन करने में पहला कदम यह निर्धारित करना है कि अध्ययन के कौन से क्षेत्र शिक्षार्थी की रुचि को प्रभावित करते हैं। पर्यावरण, माता–पिता की योग्यता, और नई चीजों को आजमाने की संभावना सभी एक बच्चे के शैक्षिक हितों को उसकी सहज बुद्धि और किसी भी जन्मजात प्रतिभा के साथ आकार देने में भूमिका निभाते हैं। बच्चे की शैक्षिक रुचि का स्तर सीधे तौर पर उसके ज्ञान, समझ और कौशल विकास के स्तर से संबंधित होता है, ये सभी उस शैक्षिक पथ की नींव के रूप में काम करते हैं जिसे बच्चा अंततः चुनता है। शैक्षिक दिशा–निर्देशन की प्रक्रिया में शैक्षिक रुचि एक अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। एक छात्र के शैक्षिक रिकॉर्ड तक पहुँचना या उसकी जाँच करना एक संकाय सदस्य के दायरे में है क्योंकि ऐसा करने में उनकी वैध शैक्षिक रुचि है। यदि संकाय या स्टाफ का सदस्य अपने कार्य विवरण या अनुबंध में निर्दिष्ट कर्तव्य का पालन कर रहा है, या यदि कार्य में छात्र या छात्र के परिवार से जुड़ी कोई सेवा या लाभ प्रदान करना शामिल है, तो यह अपवाद लागू होता है। रुचि बाहरी दबाव के बिना और विकल्पों के सामने दिए गए दिशा में लगातार निर्णय लेने की प्रवृत्ति है, अर्थात यह कुछ गतिविधियों या वस्तुओं को कुछ अन्य के लिए प्राथमिकता देता है। दूसरे शब्दों में, रुचि कुछ चीजों या गतिविधियों को दूसरों से ऊपर चुनती है। इसका तात्पर्य यह है कि शिक्षकों, शैक्षिक प्रशासकों और मार्गदर्शन कार्यकर्ताओं को छात्र के जीवन की शुरुआत से ही अपने छात्रों के हितों पर सावधानीपूर्वक नजर रखनी होगी। इसलिए, प्रक्रिया की शुरुआत से ही बच्चे को शैक्षिक दिशा दी जानी चाहिए, जब बच्चा पहली बार स्कूल में दाखिला लेता है, और यह स्थिर होने के बाद भी जारी रहना चाहिए।

रुचियों की विशेषताएं

- हमारे हित हमारी चाहतों, उद्देश्यों, ड्राइव और से बहुत अधिक जुड़े हुए हैं बुनियादी जरूरतें।
- रुचि एक महान प्रेरक शक्ति है जो व्यक्ति को संज्ञानात्मक, सकारात्मक या भावात्मक व्यवहार में संलग्न होने के लिए राजी करती है।
- रुचि और ध्यान एक दूसरे से घनिष्ठ रूप से संबंधित हैं।
- रुचियाँ जन्मजात होने के साथ–साथ अधिग्रहित स्वभाव भी हैं।
- किसी की रुचि का पीछा करना हमेशा संतोषजनक होता है। करने में व्यक्ति की मदद करता है उसके द्वारा निर्धारित लक्ष्यों और उद्देश्यों को समझें।
- ब्याज असामान्य या जल्दी आगमन या बार–बार आने में मदद करता है
- सीखने में पठारों की पुनरावृत्ति। वे किसी व्यक्ति को थकान का प्रतिरोध करने और असफलता से बचने के लिए पर्याप्त शक्ति भी देते हैं।
- ब्याज स्थायी और निश्चित नहीं है। परिणामस्वरूप वे बदल जाते हैं परिपक्वता, सीखने और अन्य आंतरिक और साथ ही पर्यावरण शर्तें और कारक।

सीखने के लिए छात्र के बीच रुचि कैसे पैदा करें

- **सहानुभूतिपूर्ण व्यवहारः** प्रशिक्षक के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वह अपनी कक्षा के प्रति करुणा और देखभाल प्रदर्शित करे। यह न केवल छात्र को अपना ध्यान अपनी पढ़ाई पर केंद्रित करने में मदद करेगा, बल्कि यह छात्र द्वारा अध्ययन की जा रही विषय वस्तु में रुचि पैदा करने की दिशा में भी एक लंबा रास्ता तय करेगा।
- **छात्रों के बौद्धिक स्तर को समझनाः** बच्चों के बौद्धिक स्तर को ध्यान में रखना जरूरी है। जब शिक्षा की बात आती है, तो व्यक्तिगत मतभेदों को ध्यान में रखा जाना चाहिए।
- **सहज संचारः** यह शिक्षक का उत्तरदायित्व है कि वह सूचना को ऐसे तरीके से प्रदान करे जो छात्रों को आसानी से समझ में आ जाए। इसके उपयोग से छात्र ज्ञान और तथ्य प्राप्त कर सकेंगे। उनकी जिज्ञासा बढ़ेगी, और परिणामस्वरूप वे जो सीख रहे हैं, उस पर वे अधिक ध्यान देंगे।
- **करके सीखनाः** क्योंकि बच्चों की खेल में सहज रुचि होती है, खेल पर आधारित शिक्षा की एक पद्धति को शिक्षण रणनीति के रूप में उपयोग किया जाना चाहिए। छात्रों को उनके शैक्षणिक कार्यों में रुचि दिखाने की अधिक संभावना है यदि उन्हें खेल पर आधारित दृष्टिकोण का उपयोग करके पढ़ाया जाता है।
- **खाली समय और विश्रामः** छात्र सीखने और खेलने दोनों से थक जाते हैं और यह थकान उनके उत्साह को कम कर देती है। नतीजतन, विश्राम और अवकाश के समय के लिए पर्याप्त प्रावधान करना आवश्यक है।
- **विषयों की अदला–बदली करें:** क्योंकि विद्यार्थियों का ध्यान सीमित है, एक ही विषय के निर्देश पर अत्यधिक समय खर्च करना उत्पादक नहीं होगा। इसलिए, शिक्षक को उपलब्ध समय को ध्यान में रखते हुए विभिन्न विषयों को पढ़ाने के लिए स्कूल कार्यक्रम की योजना बनानी चाहिए।
- **परियोजना आधारित ज्ञानः** बच्चों में विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के लिए अंतर्निहित जिज्ञासा होती है। विद्यार्थियों के लिए सीखने का सबसे प्रभावी तरीका व्यावहारिक अनुभव है, इसलिए इसे सुविधाजनक बनाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाना चाहिए। इसके परिणामस्वरूप वे अपने स्कूल के काम पर अधिक ध्यान दे पाएंगे।
- **शिक्षण योजनाः** कक्षा शुरू करने से पहले प्रशिक्षक के पास एक ठोस योजना होनी चाहिए। सत्र शुरू करने से पहले शिक्षार्थी और प्रशिक्षक दोनों के पास ज्ञान का ठोस आधार होना चाहिए। विभिन्न दृश्य–श्रव्य उपकरणों का उपयोग करके कक्षा में सूचना की प्रस्तुति को और अधिक आकर्षक बनाया जा सकता है।

शैक्षिक रुचि के आयाम

- **खेती–बाड़ीः** कृषि हित क्षेत्र में खाद, पशुपालन, खेती, फल संरक्षण, डेयरी, कृषि विस्तार, पशु चिकित्सा विज्ञान, ग्रामीण समाजशास्त्र, कृषि वनस्पति विज्ञान और अन्य संबंधित विषयों और गतिविधियों का अध्ययन शामिल है।

- **गृह विज्ञानः** सामान्य गृह विज्ञान, गृह बजट की तैयारी, स्वच्छता, खाना पकाने, गृह प्रबंधन, गृह सज्जा, सिलाई, कढ़ाई, बुनाई, बच्चों की देखभाल, और संगीत नृत्य कुछ ऐसे विषय हैं जो गृह विज्ञान की छत्रछाया में आते हैं।
- **मानविकीः** हिंदी, तर्कशास्त्र, इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी साहित्य, नृविज्ञान, दर्शनशास्त्र, समाजशास्त्र, शिक्षा, मनोविज्ञान और नागरिक शास्त्र जैसे विषय, अध्ययन क्षेत्रों के उदाहरण हैं जो मानविकी छत्र के अंतर्गत आते हैं।
- **विज्ञानः** विज्ञान के अध्ययन में रसायन विज्ञान, भौतिकी, प्राणीशास्त्र, वनस्पति विज्ञान, भूविज्ञान, मौसम विज्ञान, परमाणुओं का विज्ञान, गणित, शल्य चिकित्सा, स्वास्थ्य विज्ञान, शरीर विज्ञान, सामान्य विज्ञान, और कई अन्य विषयों सहित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है।
- **ललित कलाः** मूर्तियां, संगीत, गीत, खिलौना बनाना, काष्ठकला, कला, ड्राइंग और पेंटिंग, सजावट की कला, नृत्य, आदि सभी विषयों या गतिविधियों के उदाहरण हैं जो रुचियों की ''ललित कला'' श्रेणी के अंतर्गत आते हैं।
- **तकनीकीः** फिटर का काम, इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, और सिविल इंजीनियरिंग, वेल्डिंग, इंजीनियरिंग–ड्राइंग, रेडियोध्टीवी इंजीनियरिंग, अनुप्रयुक्त गणित, भारतीय प्रौद्योगिकी, सामान्य तकनीक, गणित विज्ञान, आदि ऐसे विषयों और गतिविधियों में से हैं, जो प्रौद्योगिकी क्षेत्र को रुचिकर बनाते हैं।

स्कूलों में करियर काउंसलिंग

भारत में छात्र आबादी अब दुनिया में सबसे बड़ी आबादी में से एक है। यह संभव है कि विद्यार्थियों की कुल संख्या 300 मिलियन की चौंका देने वाली उच्च सीमा तक पहुँच सकती है। आज, रोजगार की व्यापक संभावनाएं उपलब्ध हैं, जिनमें से प्रत्येक के लिए क्षमताओं और अटूट प्रतिबद्धता का एक अनूठा संग्रह आवश्यक है। हालांकि, भारतीय माता–पिता और छात्रों की एक महत्वपूर्ण संख्या को एक कैरियर मार्ग चुनना मुश्किल लगता है जो इंजीनियरिंग या चिकित्सा जैसे अधिक परंपरागत लोगों में से एक नहीं है। यह संभावित उम्मीदवारों को किसी अन्य उद्योग में एक सफल करियर शुरू करने का मौका नहीं देता है, जिसमें वे एक आदर्श मैच होते और जिसे वे अन्यथा आगे बढ़ाने में सक्षम होते।यह अब खबर नहीं है कि चिकित्सा उद्योग अक्षम डॉक्टरों से भर गया है और इंजीनियर काम खोजने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि इन क्षेत्रों में बहुत सारे छात्र अपर्याप्त मानकों के साथ स्नातक हैं। शायद वे दूसरी कक्षा में बेहतर प्रदर्शन करते। सक्षम दिशा–निर्देश का अभाव इस समस्या का प्रमुख कारण है। छात्रों को अपनी ताकत का जायजा लेने और परिकलित विकल्प बनाने की जरूरत है। यही कारण है कि कैरियर मार्गदर्शन प्राप्त करना आवश्यक है।

कैरियर परामर्श से स्कूली छात्रों को लाभ होता है

कैरियर मार्गदर्शन सभी छात्रों के लिए एक आवश्यकता है, चाहे उनके स्कूल का नाम या स्थान कुछ भी हो। लोग कार्यबल में प्रवेश करने से ठीक पहले करियर मार्गदर्शन की तलाश करते थे। प्रारंभिक चरण में परामर्श उपयोगी हो सकता है और करियर की योजना बनाने के लिए बेहतर तरीके प्रस्तावित कर सकता है, लेकिन समय बदल गया है और लोग अब इसके बारे में अधिक जागरूक हैं।उच्च ग्रेड के छात्र जो अपनी एकाग्रता या अध्ययन की धारा को बदलने का निर्णय लेने के कगार पर हैं, एक योग्य पेशेवर से कैरियर मार्गदर्शन प्राप्त करने से बहुत लाभ हो सकता है। इससे छात्रों के लिए अपनी रुचियों और क्षमताओं के लिए उपयुक्त मार्ग का चयन करना आसान हो जाता है। कई सर्वेक्षणों के परिणामों के अनुसार, ऐसे कई अवसर हैं जिनमें उपयुक्त दिशा की कमी ने छात्र को हतोत्साहित किया है, जिससे उन्हें अपने कार्यक्रमों को बीच में छोड़ने के लिए प्रेरित किया गया है। यह किसी के समय की कुल बर्बादी से ज्यादा कुछ नहीं है।आइए करियर मार्गदर्शन के महत्व और हाई स्कूल के छात्रों को लाभ पहुंचाने के तरीकों पर एक नजर डालें:

- **नौकरी से संतुष्टि सुनिश्चित करनाः** अपने जुनून का पालन करना और अपनी पसंद का कुछ करके जीवनयापन करना फायदेमंद है। मुझे डर है कि अगर आपके काम में कुछ ऐसा करना शामिल है जो आपको वास्तव में पसंद नहीं है तो एक संतोषजनक नौकरी मिलना असंभव है। स्कूलों में कैरियर मार्गदर्शन आवश्यक है क्योंकि यह छात्रों को उनकी ताकत पहचानने और उनकी क्षमता विकसित करने में मदद करता है।
- **अपने कौशल को अच्छे उपयोग में लानाः** कैरियर मार्गदर्शन का लक्ष्य आपको अपने अद्वितीय कौशल और क्षमताओं की पहचान करने और उनका लाभ उठाने में मदद करना है। उदाहरण के लिए, अंग्रेजी के असाधारण कमांड वाला व्यक्ति शिक्षण में करियर के लिए सबसे उपयुक्त नहीं हो सकता है। उसके पास विचार करने के लिए और भी कई विकल्प होंगे।
- **अपनी पसंद को अंतिम रूप देनाः** कैरियर मार्गदर्शन बैठकों के दौरान, छात्रों को अध्ययन के विभिन्न क्षेत्रों और उनके फायदे और नुकसान के बारे में जानकारी दी जाती है। बच्चों को संभावित परिणामों की भविष्यवाणी करने का अवसर मिलेगा। एक आकांक्षी भौतिक विज्ञान में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकता है, उदाहरण के लिए, वास्तुकला में भविष्य पर डिजाइन कर सकता है। यह संभव है कि वह दुनिया से पीछे हटने का मन करे क्योंकि वह एक वैज्ञानिक छात्र के रूप में केवल उत्कृष्टता पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। हालाँकि, यह पूरी तरह से गलत है। कैरियर मार्गदर्शन छात्रों को वास्तविक दुनिया की एक स्पष्ट छवि को समयबद्ध तरीके से चित्रित करके ऐसी गलत धारणाओं को दूर करने में मदद कर सकता है। अब वे बिना झिझक पक्ष चुन सकते हैं।

रुचि–निर्माण रणनीतियाँ

- **शिक्षकों और छात्रों के बीच मजबूत बंधनः** पाठ की सामग्री से जुड़ने से पहले छात्र पहले अपने शिक्षकों के साथ बातचीत में शामिल होते हैं। यदि शिक्षक के दृष्टिकोण, दृष्टिकोण, या व्यवहार के कारण उन्हें अप्रिय भावनाओं (जैसे कि भय, चिंता, शर्मिंदगी, या अवमानना, उदाहरण के लिए) का अनुभव होता है, तो विद्यार्थियों के लिए किसी भी गतिविधि में संलग्न होना कठिन होता है, जिसकी सलाह शिक्षक देता है।
- **उनके ज्ञान का परीक्षण करेंः** समस्याएं रुचि को उत्तेजित करती हैं। सच तो यह है कि अगर हम पूरी तरह से छात्रों की सुविधा को प्राथमिकता देंगे तो हम बच्चों को पढ़ाने में कभी सफल नहीं होंगे। छात्रों को पाठ्यक्रम, सामग्री, सीखने की प्रक्रिया और मूल्यांकन में कठिनाई की उचित डिग्री की आवश्यकता होती है। जबकि चम्मच से दूध पिलाने से छात्रों को अल्पावधि में परीक्षाओं में बेहतर करने में मदद मिल सकती है, यह सीखने के लिए उनकी प्रेरणा और अंततः विषय में उनकी सफलता पर नकारात्मक प्रभाव डालता है।
- **माता–पिता को शिक्षित करेंः** स्कूलों को माता–पिता को दो कारणों से हितों को विकसित करने की प्रक्रिया पर शिक्षित करने की आवश्यकता है। सबसे पहले, उन्हें घर पर अपने बच्चे की जिज्ञासा प्रवृत्ति की सराहना और पोषण करना सीखना चाहिए। यदि माता–पिता बच्चे को घर में सही वातावरण प्रदान नहीं करते हैं, तो इस बात की प्रबल

संभावना है कि बच्चा उसी मानसिकता के साथ स्कूल जाएगा। बच्चों से केवल स्कूल में ही अपनी जिज्ञासा बटन को बदलने की उम्मीद नहीं की जा सकती है।

- **प्रत्येक विषय की मूल क्षमताओं का निर्धारण करें:** गणित संख्याओं, त्रिकोणों और विभेदीकरण से परे है। ये विषय विद्यार्थियों को आजीवन कौशल प्रदान करते हैं। गणित गणितीय सोच के बारे में है। भाषा संचार में भी सुधार करती है। पढ़ना, लिखना, बोलना और सुनना संचार को बढ़ावा देता है। पेंटिंग रचनात्मकता, नवीनता और अमूर्तता को प्रोत्साहित करती है। शिक्षकों को इन बुनियादी कौशलों और क्षमताओं में छात्रों की रुचि पैदा करनी चाहिए ताकि उन्हें विभिन्न गतिविधियों में व्यस्त रखा जा सके। शिक्षकों को अपने विषयों को पाठ्यक्रम और परीक्षा पैटर्न से परे समझना चाहिए।

संदर्भ सूची

1. सिल्विया, पी.जे (2001) रुचि और रुचियां: रचनात्मक सनकीपन का मनोविज्ञान। सामान्य मनोविज्ञान की समीक्षा, 5, 270–290।
2. मोहता, एस। (2013) छोटे बच्चों में अकादमिक हित में रुझान। संवाद ई–जर्नल 7 – 7 4 90, 90 का पृष्ठ 53
3. नारंग. वी.पी. और नारंग. एस (2015) तहसील अबोहर के दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों की शैक्षिक रुचियों का अध्ययन। शिक्षा और सूचना अध्ययन का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। खंड 5।
4. मिहेला, ए . एन और क्रिस्टीना, जी, ए. (2015) रोमानिया में शैक्षिक परामर्श और कैरियर मार्गदर्शन पर एक शोध। यूरोपियन साइंटिफिक जर्नल, 2 28.33
5. ट्रॉन, सी, एल और खरबिरंबाई, बी, बी (2021) मेघालय, भारत में माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि के संबंध में शैक्षिक रुचि। जर्नल ऑफ एजुकेशन कल्चर एंड सोसाइटी नंबर – 1